

असाधाररण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (if)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं॰ 97] **नई बिल्ली, ब्धवार, मार्च** 17, 1982/फाल्युन 26, 1903 No. 97] NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 17, 1982/PHALGUNA 26, 1903

इस भाग मों भिन्स पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

श्रीद्योगिक मंत्रालय (औद्योगिक विकास विजाग)

मादेश

नई दिल्ली, 17 मार्च, 1982

का०आ० 138(आ)/18क/आई० छो०आर०ए०/82—भारत सरकार के भूतपूर्व घोद्योगिक विकास मजावय के आदेण स० का०आ० 608(आ)/18क/आई०छी०आर०ए०/72, तारीख 18 सितम्बर, 1972 (जिसे इसमें इसके पण्चात उक्त आदेण कहा गया है) द्वारा मैसई इण्डियन रवर मैथुफेक्नरमें लिसिटेड, कलकना नामक श्रीद्योगिक उपज्ञम का प्रवंधप्रहण 17 सिहम्बर, 1977 कि की धवि के लिए, जिसमें यह मारोख भी सम्मिलित है, किया गया था,

भीर मारत सरकार के भादेण स० काल्झा० 6.38(म्र)/184/म्राई०डी०म्रार०ए०/77, तारीख 26 प्रतस्त 1977 द्वारा उक्त आदेश का 17 सिनस्यर, 1970 तक की भीर भवधि के लिए जिसमें यह तारीख भी मस्मिलित है विस्तारित किया गया था।

J446 G1/81

श्रीर भारत सरकार के आदेण स० का०श्रा० $520(\pi)/18\pi/$ आई०धी०श्रार०ए०/79 तारीख. 17 सितम्बर, 1979 तथा का०श्रा० $704(3)/18\pi/$ आई०डी०श्रार०ए०/81 तारीख 17 सितम्बर, 1981 द्वारा उन्हें आदेश की श्रवधि 17 सार्च, 1982 तक की और श्रवधि के लिए जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, और बढ़ा दी गई थी।

और केल्काय सरकार की यह राय है कि लोकोटर में यह सरीयोर है कि उक्त कादेश छह साम ही और अवधि के लिए प्रभावी बना रहना कहिए,

भ्रत केन्द्रीय सरकार, उद्योग (निकास भ्रीर विनियमन) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क के परन्तुक द्वारा प्रदन्त शनिसयों का प्रयोग करने हुए यह निवेश देती है कि उक्त आवेश 17 सिनम्बर, 1982 तक छह मास की भीर भ्रशिध के लिए, जिसमें यह तारोख भी सम्मिलन है, प्रभावी बना रहेगा।

[स॰ 2/13/80-मी सू एस] चन्द्र किशोर मोदी, सयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 17th March, 1982

S.O. 138(E)/18A/IDRA/82.—Whereas, by the Order of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development No. S.O. 608(E)/18A/IDRA/72, dated the 18th September, 1972 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as the Indian Rubber Manufacturers Limited, Calcutta, has been taken over for a period upto and inclusive of the 17th September, 1977;

And whereas, by the Order of the Government of India No. S.O. 638(E)/18A/IDRA/77, dated the 26th August, 1977 the said Order was extended for a further period upto and inclusive of the 17th September, 1979;

And, whereus, by the Orders of the Government of India No. S.O. 520(E)/18A/IDRA/79, dated the 17th September, 1979 and S.O. 704(E)/18A/IDRA/81 dated the 17th September, 1981, the duration of the said Order was further extended for a further period upto and inclusive of the 17th March, 1982.

And, whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the said Order should continue to have effect for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by proviso of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said order shall continue to have effect for a further period of six months, upto and inclusive of the 17th September, 1982.

[No. 2/13/80/CUS]

C. K. MODJ, Jt, Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVT. OF INDIA PRESS, RING ROAD, NEW DELHI-110064
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054, 1982